स्वच्छता समाचार

खंड 4 | अंक 31

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachhbharatgrameen

श्री सी. आर. पाटिल

केंद्रीय मंत्री की कलम से

स्वच्छता एक बार का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक सतत यात्रा है। जैसा कि हम एक विकसित भारत के लिए काम करते हैं, स्वच्छता को सच्ची जनभागीदारी द्वारा संचालित एक अनवरत प्रवाहमान, जन नेतृत्व वाला प्रयास बना रहना चाहिए। हमें "प्रबंधन के लिए उपाय करने" के महत्व को समझने की आवश्यकता है, जो एक ऐसा सिद्धांत जो प्रमुख कार्यक्रमों के प्रभाव को मजबूत बनाता है।

SSG नेशनल लॉन्च, नई दिल्ली

श्री वी. सोमण्णा

केंद्रीय राज्य मंत्री की कलम से

ग्राम पंचायतें SBM-G के सिद्धांत और कार्यान्वियन दोनों पहलुओं की योजना बनाने और लागू करने के केंद्र में हैं। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, SHGS, गैर सरकारी संगठनों और अन्य लोगों के साथ काम करते हुए, ये IEC गतिविधियों का नेतृत्व करती हैं, मांग को पूरा करती हैं, और यह सुनिश्चित करती हैं कि सुविधाओं का उपयोग और रखरखाव किया जाता है।

श्री अशोक के. के. मीणा

सचिव की कलम से

हमने इस महीने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया है जिसने हमें यह याद दिलाया कि संतुलन, अनुशासन और सामूहिक कल्याण के सिद्धांत ग्रामीण स्वच्छता के संदर्भ में हमारे काम पर समान रूप से लागू होते हैं। SBM-G का भविष्य ग्राम जल और स्वच्छता समितियों से लेकर जिला और राज्य जल और स्वच्छता मिशनों तक मजबूत और सशक्त संस्थानों पर निर्भर करेगा, जिन्हें समुदाय संचालित संचालन और रखरखाव का नेतृत्व करना चाहिए। हर स्तर पर इन निकायों को मजबूत करने से यह सुनिश्चित होगा कि ग्रामीण स्वच्छता प्रणाली अनुकूल, समावेशी और सामुदायिक स्वामित्व वाली बनी रहे।

श्री कमल किशोर सोन

अपर सचिव और मिशन निदेशक की कलम से

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, यह आवश्यक है कि SBM-G के तहत हमारी प्रगति की निरंतर समीक्षा की जाए और उस पर मंथन किया जाए। निगरानी और मूल्यांकन केवल प्रशासनिक कार्य नहीं हैं, बल्कि यह सुनिश्चित करने के उपकरण हैं कि हर प्रयास स्थायी प्रभाव की ओर ले जाता है। सामुदायिक संस्थानों के साथ-साथ राज्य और जिला जल और स्वच्छता मिशनों की क्षमता को मजबूत करना, अंतराल की पहचान और सुधारात्मक कार्रवाई करने में मदद करना, यह सुनिश्चित करता है कि मिशन स्थायी परिणामों के मार्ग पर चल रहा है।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

31 जुलाई, 2025 की स्थिति के अनुसार

ODF PLUS मॉडल

- भारत के **4.72 लाख** से अधिक (80% से अधिक) गांवों ने स्वयं को ODF Plus मॉडल घोषित किया है।
- **5.19 लाख** से अधिक गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है।
- **5.33 लाख** से अधिक गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है।
- **5,000** से अधिक ब्लॉकों को कवर करते हुए **2,100** से अधिक ग्रामीण प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयां स्थापित की गईं।
- डोर-टू-डोर कचरा संग्रह और परिवहन के लिए **6.36 लाख** से अधिक वाहन उपलब्ध।
- **1,200** से अधिक बायोगैस संयंत्र पंजीकृत।
- **950** से अधिक कार्यशील बायोगैस संयंत्र।
- **80** पूर्ण बायोगैस संयंत्र।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण

पखवाड़ा गतिविधियां: जुलाई 2025

सत्यमेव जयते

Ministry Of Earth Sciences

Government of India

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

- संस्थान परिसर के भीतर प्लास्टिक संग्रह और सौंदर्यीकरण संबंधी गतिविधियां।
- स्वच्छता पखवाड़ा का समापन एक भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें पुरस्कार, मुख्य भाषण और महासागर एवं पर्यावरण के अनवरत प्रबंधन के लिए प्रतिज्ञा शामिल थी।
- INCOIS ने 8 स्कूलों से आयी 91 प्रविष्टियों के साथ एक स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। समापन समारोह में 3 आयु वर्ग के शीर्ष 3 विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।
- INCOIS ने मैनहोल को सील करके ALEAP प्रदूषण को रोका। अब, उद्योग TSPCB विक्रेताओं के माध्यम से जिम्मेदारी से कचरे का शोधन करते हैं, स्वच्छ हवा, पानी और मिट्टी सुनिश्चित करते हैं।
- स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत, INCOIS ने डी-ब्रिस, गाद, पत्तियों और कचरे को हटाकर, अपने परिसर में स्थित झील को साफ-सुथरा एवं सुंदर बनाया। उन्होंने कैंटीन हाइजीन ऑडिट, गहरी सफाई, खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन और पृथक्करण पर प्रशिक्षण, स्वच्छ भोजन और शून्य अपशिष्ट व्यवहारों को बढ़ावा देने का भी आयोजन किया।
- ZPHS बचुपल्ली ने 150 से अधिक छात्रों को लेकर वीडियो, प्रश्नोत्तर और सामूहिक स्वच्छता शपथ समारोह के साथ एक स्वच्छता सत्र आयोजित किया।
- रोटरी क्लब और VISVA ने अमीनपुर झील को साफ किया, जिसने 500 किलोग्राम कचरे का संग्रह सुनिश्चित किया और रीसाइक्लिंग और बांस टूथब्रश जैसे टिकाऊ स्वैप को बढ़ावा दिया।
- 8 जुलाई, 2025 को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत परिसर में हरित आवरण और कर्मचारियों के नेतृत्व के अंतर्गत पौधों की देखभाल को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण और गोद लेने का अभियान चलाया।
- शून्य-अपशिष्ट कार्यनीतियों, स्थायी व्यवहारों में कर्मचारियों को शामिल करने, डिजाइन परिकल्पना और कार्य योजना पर एक कार्यशाला आयोजित की।

जुलाई 2025 में स्वच्छता पखवाड़ा को दर्शाने वाली जमीनी कार्रवाई

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS
सत्यमेव जयते

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

- भारतीय पेट्रोलियम संस्थान ने परिसर में डस्टबिन स्थापित किए।
- ONGC जोधपुर ने सभी छात्रों को स्वास्थ्य स्वच्छता किट, पुन: उपयोग करने वाली पानी की बोतलें और पर्यावरण अनुकूल जूट बैग का वितरण सुनिश्चित किया।
- ONGC मेहसाणा ने अपशिष्ट पृथक्करण, प्लास्टिक में कमी और व्यक्तिगत स्वच्छता पर स्किट्स की सुविधा प्रदान की। इसके बाद सामुदायिक जुड़ाव और जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें जूट बैग वितरण और निवासियों के साथ बातचीत शामिल थी।
- ONGC कोलकाता-RO संस्थापना कार्य पूरा कर लिया गया है जिसका उद्देश्य स्वच्छता, अपशिष्ट पृथक्करण के मुख्य पहलुओं के बारे में जनता को संवेदनशील बनाना है।
- सहस्त्रधारा के पास सोडासरोली में वेस्ट वॉरियर्स सोसायटी के सहयोग से ONGC देहरादून सफाई अभियान चलाया गया।
- ONGC चेन्नई ने स्वच्छ भारत विषय पर छात्रों के लिए एक ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की और स्केच सहित छात्रों को स्टेशनरी किट वितरित की।
- ONGC काकीनाडा ने जिला परिषद हाई स्कूल, वकलापुडी, काकीनाडा में निबंध, स्लोगन और ड्राइंग प्रतियोगिताओं की सुविधा प्रदान की।
- ONGC दिल्ली ने सभी प्रतिभागियों को ड्राइंग शीट और रंगीन किट प्रदान करते हुए एक ड्राइंग प्रतियोगिता की सुविधा प्रदान की।
- ONGC हजीरा - सफाई अभियान तथा प्लास्टिक कचरे और अन्य कचरे का संग्रह टीम के साथ मुख्य कैंटीन क्षेत्र में और कोजेन संयंत्र के सामने किया गया।
- ONGC जोरहाट-5 डस्टबिन किशोर जेल, जोरहाट में वितरित किए गए ताकि उन्हें पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद मिल सके।
- OIDB-A वॉकाथॉन/रैली का आयोजन आस-पास के गांवों और कॉलोनियों के निवासियों के बीच साफ-सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया गया था।
- SCOPE कॉम्प्लेक्स में और उसके आस-पास काम करने वाले PPAC-खाद्य विक्रेताओं को साफ-सफाई और स्वच्छता के मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए स्वच्छता प्रतिज्ञा दिलाई गई।
- ONGC मेहसाणा – स्वदेशी प्रजातियों की विविध श्रेणियों के वृक्षों, जो स्थानीय जलवायु और उनके पारिस्थितिक लाभों के लिए अनुकूलन क्षमता के लिए जाने जाते हैं, को लगाया गया।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण

- ONGC सिलचर फॉरवर्ड बेस ने मटिजुरी हायर सेकेंडरी स्कूल, हैलाकांडी में मासिक धर्म स्वच्छता पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया।
- बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड कार्यक्रम में स्वच्छता, साफ-सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन पर एक जागरूकता सत्र शामिल था।

जुलाई 2025 में स्वच्छता पखवाड़ा को दर्शाने वाली जमीनी कार्रवाई

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय

- DGT के तहत विभिन्न संस्थानों में स्लोगन/पेंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। लगभग 400 प्रशिक्षुओं/कर्मचारियों ने भाग लिया।
- अपोलो एक्सेल केयर अस्पताल गुवाहाटी के सहयोग से भारतीय उद्यमिता संस्थान में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।
- साफ-सफाई और स्वच्छता विषय पर पोस्टर बनाने और नारा लेखन जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- NIESBUD के गैर-कार्यात्मक वस्तुओं और पुराने उपकरणों की पहचान करने और सुरक्षित रूप से निपटान करने के लिए विशेष ई-कचरा और स्क्रैप निपटान अभियान।
- कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं की सक्रिय भागीदारी के साथ NIESBUD कार्यालय परिसर के साथ-साथ विस्तार केंद्रों के भीतर वृक्षारोपण अभियान।
- फाइलों/रिकार्डों की समीक्षा की गई/उनकी छंटाई की गई और कबाड़ को एकत्र किया गया और सभी DGT क्षेत्रीय कार्यालयों/संस्थानों में उनका निपटान किया गया।
- NIESBUD कर्मचारियों, संविदा कर्मियों और प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता पर जागरूकता सत्र।
- सभी DGT क्षेत्रीय कार्यालयों/NSTI/RDSDE/CSTARI और NIMI में स्वच्छता संगोष्ठी/प्रशिक्षण/कार्यशालाएं आयोजित की गईं। लगभग 700 प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों ने भाग लिया।
- स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के लिए स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्वयंसेवकों ने स्थानीय समुदाय के साथ काम किया।
- वॉशरूम, पेंट्री क्षेत्रों और पानी के डिस्पेंसर की अच्छी तरह से साफ-सफाई की गई उसमें बेकार पड़ी फाइलों को हटाकर की गई डिजीटल हाउसकीपिंग भी शामिल थी।

जुलाई 2025 में स्वच्छता पखवाड़ा को दर्शाने वाली जमीनी कार्रवाई

DDWS अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 में शामिल हुआ

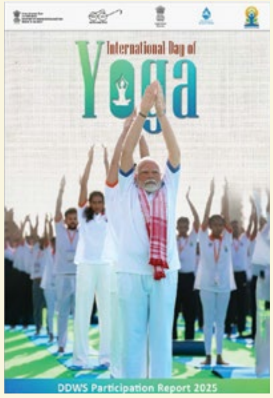

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) ने 21 जून, 2025 को "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" विषय के तहत 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में गर्व से भाग लिया। इस वर्ष का उत्सव केवल योग के बारे में नहीं था, यह एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन था जो स्वास्थ्य को पानी, स्वच्छता और सामुदायिक सशक्तिकरण से जोड़ता था।

यह स्वीकार करते हुए कि समग्र स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता आवश्यक है, DDWS ने देश भर में सुरक्षित, समावेशी स्थानों में योग सत्र आयोजित करने के लिए ग्राम जल और स्वच्छता समितियों (VWSC) और सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभागों (PHED) के अपने विशाल नेटवर्क को भी जोड़ा। इन प्रयासों ने इस विचार को पुष्ट किया कि स्वच्छता का बुनियादी ढांचा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए मूलभूत है।

DDWS भागीदारी की मुख्य विशेषताएं:

- 16 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 304,958 योग कार्यक्रमों का आयोजन
- 23.3 मिलियन से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए
- 19,436 VWSC और 633 पीएचईडी पंजीकृत
- कार्यक्रम वॉश परिसंपत्तियों, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों में आयोजित किए गए

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

DDWS और UNICEF ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यशाला की मेजबानी की

2 जुलाई, 2025 को, DDWS ने यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यशाला की मेजबानी की। इस आयोजन ने SBM-G की यात्रा के एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया, क्योंकि हितधारक भारत में ग्रामीण स्वच्छता के अगले चरण को प्रतिबिंबित करने, उसकी पुनर्गणना करने और उसकी फिर से कल्पना करने के लिए एकत्र हुए थे।

कार्यशाला में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, राज्य मिशन निदेशकों, भागीदार संस्थाओं और क्षेत्र विशेषज्ञों को प्रगति पर प्रतिबिंबित करने और भविष्य के लिए प्राथमिकताएं निर्धारित करने, स्वच्छता प्रयासों में गरिमा, समानता और जलवायु अनुकूलता के महत्व पर जोर देने के लिए एक साथ लाया गया।

कार्यशाला में स्वच्छता प्रणालियों को अधिक समावेशी, अनुकूल और स्थायी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, विशेष रूप से जलवायु चुनौतियों का सामना करने के लिए। इसमें नवाचारों, स्थानीय नेतृत्व और ग्राम पंचायतों की विकसित भूमिका पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य मिशन निदेशकों, भागीदार संस्थाओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया।

इस कार्यक्रम में पंचायती राज मंत्रालय में अपर सचिव श्री सुशील कुमार लोहानी ने स्वच्छता परिणामों को आगे बढ़ाने में ग्राम पंचायतों की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा: "स्थानीय शासन स्थायी स्वच्छता के केंद्र में है। 2.5 लाख से अधिक पंचायतों द्वारा सक्रिय रूप से योजना बनाने और प्रगति पर नज़र रखने के साथ, हम एक परिवर्तन देख रहे हैं जहां गांव न केवल लाभार्थी हैं बल्कि परिवर्तन के अगुआ हैं।

इस कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मचारियों की सुरक्षा और जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे को डिजाइन करने के उद्देश्य से नए प्रोटोकॉल का शुभारंभ भी देखा गया, जो समानता, सुरक्षा और नवाचार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

पश्चिम बंगाल में अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस मनाना

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस (3 जुलाई) को मनाने के लिए, पश्चिम बंगाल सरकार के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने एकल-उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने और स्थायी विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया।

स्थानीय समुदायों को संगठित करने और प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान के संदेश को फैलाने के लिए विशेष अभियान चलाए गए। स्कूली बच्चों, पंचायत कार्यकर्ताओं और अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों की भागीदारी पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समुदाय की बढ़ती चेतना को इंगित करती है।

इस कार्यक्रम में माननीय प्रभारी मंत्री (HMIC) श्री प्रदीप कुमार मजूमदार और माननीय राज्य मंत्री (HMOS) श्री बेचाराम मन्ना ने भाग लिया, जिन्होंने बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से 'पर्यावरण अनुकूल कपड़े के बैग के लिए प्लास्टिक अपशिष्ट दान करें' अभियान में भाग लिया। माननीय MIC, P&RD विभाग और माननीय राज्य मंत्री P&RD विभाग ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को एकल उपयोग प्लास्टिक और थर्मोकोल का उपयोग बंद करने की शपथ दिलाई।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

पंजाब का गांव बल्लोह अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर सबसे आगे

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर, पंजाब के बठिंडा जिले के ब्लॉक रामपुरा के बल्लोह गांव ने अपनी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का संचालन करके स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। आगे के नेतृत्व के लिए इकाई को ग्राम पंचायत को सौंप दिया गया।

इस पहल के प्रभाव को बढ़ाने के लिए, पंचायत सदस्यों ने सामूहिक प्लास्टिक कचरा संग्रह अभियान में भाग लेने के लिए ब्लॉक रामपुरा के सरपंचों को भी आमंत्रित किया। दृढ़ सामुदायिक भावना का प्रदर्शन करते हुए, ग्राम पंचायत बल्लोह ने यह सुनिश्चित करने के लिए परिवहन की व्यवस्था की कि एकत्रित कचरे को कुशलतापूर्वक प्रसंस्करण संयंत्र में ले जाया जा सके।

ग्रामीणों और स्थानीय नेताओं की सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद, अभियान ने 3.5 क्विंटल प्लास्टिक कचरे का सफल संग्रह किया। पंचायत ने ग्रामीणों को 3.5 क्विंटल गुड़ वितरित किया, जो सामूहिक कार्रवाई के लिए सराहना और मिठाई दोनों का प्रतीक है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

भारत भर में, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के लिए चौपाल से लेकर वॉल पेंटिंग, होर्डिंग्स से लेकर सोशल मीडिया ड्राइव तक की गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं। यहां ऊर्जा, कार्रवाई और सामुदायिक भावना की एक झलक है जो ग्रामीण स्वच्छता को एक सच्चे लोगों का आंदोलन बनाती है।

बिहार

नगरनौसा प्रखंड कार्यालय के पास जागरूकता को लेकर बनाई रंगोली, सिटीजन फीडबैक एप लांच

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए लोगों को किया जागरूक

सिटीरिपोर्टर | नगरनौसा

...लय के मुख्य गेट पर ... मिशन (ग्रामीण) के ...ार को स्वच्छता ... लेकर लोगों को ...या गया। इस अवसर ...कर आम जनता को ... सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

बीडीओ ओमप्रकाश कुमार ने बताया कि हर गांव की स्वच्छता, वहां के हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत इस बार गांवों में स्वच्छता सर्वेक्षण की शुरुआत की गई है। इसके लिए सिटीजन फीडबैक एप लांच किया गया है, जिसके माध्यम से ग्रामीणों की राय ली जा रही है। उन्हीं प्रतिक्रियाओं के आधार पर गांवों की राष्ट्रीय स्वच्छता रैंकिंग तय की जाएगी।उन्होंने बताया कि लोगों के फीडबैक के आधार पर सर्वेक्षण में अंक दिए जाएंगे।

गुणवत्ता की होगी जांच : स्वच्छता पर्यवेक्षक पवन कुमार ने बताया कि इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य गांवों को स्वच्छ, सुंदर और टिकाऊ बनाना है। इसमें ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता के प्रति जागरूकता, तथा गांवों में स्वच्छता से संबंधित कार्यों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में घर-घर बनाए गए व्यक्तिगत शौचालय के उपयोग और रखरखाव, सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का रखरखाव, तथा घरों, दुकानों और सार्वजनिक स्थलों से नियमित कचरा उठाव किया जा रहा है।

तैयार हो रही जैविक खाद

उन्होंने बताया कि लोगों के घरों से एकत्रित कचरे को अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई में ले जाकर मानक के अनुसार गीले और सूखे कचरे को पृथक किया जा रहा है। इसके भी फायदे हैं। गीले कचरे से जहां जैविक खाद तैयार की जा रही है वहीं सूखे कचरे की भी बिक्री की जा रही है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक होना बहुत जरूरी है। स्वच्छता से कई प्रकार की बीमारियों को रोका जा सकता है।इसे हम सभी को अपनी रूटीन में शामिल करना होगा। इसे अपनी आदत बनानी होगी। इस मौके पर सीओ सत्येंद्र कुमार, शोभा कुमारी, नंदनी कुमारी, राजेश कुमार, विक्की कुमार सहित कई अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से स्वच्छता सर्वेक्षण में सक्रिय भागीदारी की ...

अखबारों की कतरनें

बिहार स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के लिए दीवार लेखन, होर्डिंग, सोशल मीडिया और शाम/रात की चौपालों के माध्यम से जागरूकता बढ़ा रहा है।

ये चौपाले अधिकारियों और नागरिकों को शौचालय निर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोगकर्ता शुल्क और नागरिक प्रतिक्रिया के महत्व संबंधी कार्यों में शामिल करती हैं।

होर्डिंग्स/ वॉल पेंटिंग

पॉडकास्ट

छत्तीसगढ़

जनपद पंचायत मैनपाट के ग्राम पंचायत राजापुर में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2025 तथा मिशन से संबंधित गतिविधियों के अंतर्गत वाल पेंटिंग का कार्य कराया गया।

दीवार पेंटिंग

अखबारों की कतरनें

नवभारत छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Baikunthpur - 11 Jul 2025 - 11bk4
epaper.navabharat.news

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

नवभारत ब्यूरो। मनेन्द्रगढ़।

जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में एमसीबी जिले की जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत अमृत सदन में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई के संचालन और संधारण को लेकर एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं स्वच्छाग्राही बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन और इसके पृथक्करण की व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी देना रहा। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों, उनके पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों और इनके वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण की विधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने प्लास्टिक के विभिन्न प्रकारों की पहचान, उन्हें श्रेणियों में बांटने तथा इनके सुरक्षित सेग्रीगेशन के उपायों को सरल भाषा में समझाया। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि कैसे समुदाय की सहभागिता से ग्रामों को प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण उपरांत प्रतिभागियों को परसगढ़ी स्थित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का भ्रमण कराया गया जहां उन्होंने यूनिट के संचालन की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा और सीखा कि प्लास्टिक कचरे को संग्रहित कर किस प्रकार पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं में परिवर्तित किया जा सकता है। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने मशीनों की कार्यप्रणाली, श्रमिकों की भूमिका और प्लास्टिक प्रसंस्करण की संपूर्ण प्रक्रिया की बारीकियों को समझा तथा ग्राम पंचायत स्तर पर इसे लागू करने की रूपरेखा पर विचार किया। इस आयोजन से प्रतिभागियों में प्लास्टिक प्रबंधन को लेकर जागरूकता और उत्साह देखने को मिला जो आने वाले समय में स्वच्छ और टिकाऊ ग्राम निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यशाला का आयोजन न केवल प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के तकनीकी पक्ष को मजबूत करने की दिशा में सार्थक पहल रही बल्कि यह ग्रामीण स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी सशक्त बनाने वाला कदम रहा।

झारखंड

झारखंड ने राज्य स्तर पर शुभारंभ किए गए कार्यक्रम के माध्यम से SSG 2025 के तहत काम शुरू किया, जिसमें विभिन्न सामंजस्य वाले विभागों के नोडल अधिकारियों, भागीदार संगठनों के प्रतिनिधियों और सभी जिला परामर्शदाताओं सहित राज्य के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण

कर्नाटक

मिजोरम

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला 18 जून, 2025 को कॉन्फ्रेंस हॉल, इंजीनियर-इन-चीफ ऑफिस, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट (पीएचईडी) में आयोजित की गई थी।

कार्यक्रम में एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (AMS) की अनुसंधान विश्लेषक डॉ. सुतीना चौधरी और मिजोरम राज्य समन्वयक, एएमएस डॉ. लालपियानपुई की प्रस्तुतियां शामिल थीं। उन्होंने मिजोरम की स्थिति के नियोजित मूल्यांकन पर अंतर्दृष्टि साझा की।

कार्यशाला में मिजोरम के जिला और राज्य अधिकारियों ने भाग लिया।

मंगलूर

यूट्यूब पॉडकास्ट:

देखने के लिए यहां क्लिक करें

SSG-2025 में भाग लेने के लिए जिलों के CEO से अपील

ಬೆಳಗಾವಿ: ಸ್ವಚ್ಛ ಸರ್ವೇಕ್ಷಣ ಗ್ರಾಮೀಣ-2025 ಸರ್ವೇ ನಡೆಸಲು ಬರುವ ಸಂಸ್ಥೆಗೆ ಅಗತ್ಯ ಸಹಕಾರ ಮತ್ತು ಸೂಕ್ತ ಮಾಹಿತಿ ನೀಡಿ: ಜಿಪಂ ಸಿಇಒ ರಾಹುಲ್ ಶಿಂಧೆ

ಬೆಳಗಾವಿ ಸಿಇಒ ರಾಹುಲ ಶಿಂಧೆ

पंजाब

उत्तराखंड

260 गांवों का होगा स्वच्छता सर्वे ग्रामीण एप से दे सकेंगे फीडबैक

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश के 95 विकासखंडों के 260 गांवों में इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण होगा। स्वजल निदेशालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू कर दी है। इस बार मोबाइल ऐप के माध्यम से ग्रामीण भी अपना फीडबैक दे सकेंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण के लिए देशभर में फील्ड डाटा संग्रहण, विश्लेषण एवं मूल्यांकन के लिए यह प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। मिशन की राज्य समन्वयक हिमाली जोशी पेटवाल ने बताया कि प्रति जिला 20 गांव के हिसाब से प्रदेश के 260 गांवों में स्वच्छता सर्वेक्षण होगा। सर्वेक्षण निर्धारित बुनियादी ढांचे, जन सहभागिता, व्यवहार परिवर्तन एवं सेवा वितरण जैसे पहलुओं पर आंकड़े देगा।

स्वजल के इकाई समन्वयक सुनील तिवारी ने बताया कि सर्वेक्षण के बाद जिलों व गांवों की रैंकिंग निर्धारित अंक प्रणाली के आधार पर तय की जाएगी। यह रैंकिंग स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न श्रेणियों जैसे- व्यक्तिगत शौचालय की स्थिति, सामुदायिक

स्वजल निदेशालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 का प्रशिक्षण किया शुरू

भागीदारी, स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचा, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, नागरिकां की भागीदारी और व्यवहार परिवर्तन, खुले में शौच से मुक्ति की स्थिरता, सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियां आदि के आधार पर की जाएगी।

इस सर्वेक्षण में ग्रीन लीफ रेटिंग को भी शामिल किया गया है, जो स्वच्छता आधारित स्थलों की गुणवत्ता का आकलन करने का एक नया दृष्टिकोण है। पहली बार नागरिकों की प्रतिक्रिया भी इसमें शामिल की गई है। आम नागरिक मोबाइल ऐप के माध्यम से सीधे अपनी प्रतिक्रिया दे सकेंगे। सर्वेक्षण की गुणवत्ता व पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए जियो-फेंसिंग व लोकेशन एंड टैगिंग जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिससे सर्वे करने वाली टीमों की निगरानी हो सकेगी। प्रशिक्षण कार्यशाला में आलोक सेमवाल, डॉ. रमेश बडोला, वीरेंद्र भट्ट, डॉ. लोकेंद्र चौहान, संजय पांडे, सुरेश पांडे, एसएन जोशी आदि मौजूद रहे।

अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

उत्तर प्रदेश

वॉल पेंटिंग

कथाकार!

इस छवि के चारों ओर 100 से अधिक शब्दों में एक आकर्षक कहानी लिखें
और मेल के माध्यम से टीम SBM (G) के साथ साझा करें!

अनुबोधन: और सभी की कड़ी मेहनत से हमारे गांव ने आज
ODF Plus मॉडल सत्यापित स्थिति हासिल की!

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए,
हर महीने की 15 तारीख से पहले अपने विचार साझा करें sbmiec.ddws@gmail.com

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स
लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003
फ़ोन: 011-24362192 | ईमेल: js-sbm@gov.in